



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 562] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 16, 2015/भाद्र 25, 1937

No. 562] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 16, 2015/BHADRA 25, 1937

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(बेतार योजना और समन्वय खंड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2015

सा.का.नि. 696(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और धारा 7 तथा भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 और धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बेतार माइक्रोफोन के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियों या उपस्करों का उपयोग (अनुज्ञप्ति की अपेक्षा से छूट) नियम, 2015 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.—ये नियम 36 से 38 मेगाहर्ट्ज आवृत्ति बैंड में लागू होंगे।

3. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों, —

(क) "प्राधिकारी" से भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(ख) "प्रभावी विकिरण शक्ति" के अंतर्गत एंटीना का गेन, यदि कोई हो, है;

(ग) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किंतु भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) और भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके आनुक्रमिक रूप से उन अधिनियमों में दिए गए हैं।

4. छूट.—नीचे सारणी में यथाविनिर्दिष्ट अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति के साथ, अहस्तक्षेप, असंरक्षित और साझा (गैर विशेष) आधार पर, 36 से 38 मेगाहर्ट्ज के आवृत्ति बैंड में बेतार माइक्रोफोन के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति की

युक्तियों या उपस्करों के उपयोग के प्रयोजन के लिए किसी बेतार उपस्कर को स्थापित करने, अनुरक्षित करने, कार्य करने, रखने या किसी बेतार उपस्करों से व्यवहार करने के लिए किसी व्यक्ति को अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं होगी, अर्थात् :-

सारणी

तकनीकी लक्षण

आवृत्ति बैंड	अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति सीमाएं
(1)	(2)
36 से 38 मेगाहर्ट्ज	50 मिलीवाट 200 किलोहर्ट्ज की अधिकतम आडियो चैनल बैंड विड्थ

परंतु यह कि जब कभी केन्द्रीय सरकार से विशिष्ट सेवा अनुज्ञप्ति आवश्यक हो तो इस नियम के उपबंध लागू नहीं होंगे।

परंतु यह और कि जहां विमानवाहित युक्तियों या अनुप्रयोगों के लिए इस बैंड का उपयोग अपेक्षित है, वहां ये नियम लागू नहीं होंगे।

5. शर्तें - इस नियम के अधीन अनुदत्त छूटें निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगी, अर्थात् :-

(क) अवांछित ऊर्जा के किसी प्रभाव या उत्सर्जन के किसी संयोजन, किसी रेडियो संचार प्रणाली में किसी उत्सर्जन विकिरण या अभिग्रहण पर उप्रेरण के सहयोजन, किसी आकर्षण, अपनिर्वचन या सूचनाओं की हानि से प्रकट ऐसी अवांछित ऊर्जा की अनुपस्थिति में उद्धरण किया जा सकेगा, जहां कोई व्यक्ति, जिसे भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और भारतीय बेतार तार यंत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति जारी की गई है, प्राधिकारी को यह सूचित करता है कि उसकी अनुज्ञप्ति प्राप्त प्रणाली को इन नियमों के अधीन छूट प्राप्त किसी अन्य रेडियो संचार प्रणाली से हानिकर व्यतिक्रम प्राप्त हो रहा है, तो ऐसा प्राधिकारी उपस्कर का स्थान परिवर्तन करके, उसकी शक्ति को कम करके, विशेष प्रकार के एंटेना के उपयोग द्वारा व्यतिक्रम से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त बेतार उपस्कर के उपयोक्ता को अवसर देगा, जिसमें असफल रहने पर ऐसे प्राधिकारी ऐसे बेतार के उपयोग को रोकने की सिफारिश करेंगे :

परंतु यह कि ऐसे रोके जाने से पूर्व, ऐसे प्राधिकारी द्वारा बेतार उपस्कर के ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त उपयोक्ता को परिस्थितियों को स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा।

(ख) बेतार माइक्रोफोन के लिए ये अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियां या उपस्कर, उपस्कर के किस्म के रूप में ऐसी रीति से अनुमोदित और अभिकल्पित तथा संनिर्मित होंगे जो तकनीकी प्राचल नियम 4 में निर्दिष्ट सारणी में विनिर्दिष्ट सीमाओं के अनुरूप हों :

परंतु यह कि उपस्कर के किस्म का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय सरकार को इन नियमों के उपाबंध में दिए गए आवेदन के प्ररूप में आवेदन किया जाएगा।

[सं. आर - 11014/17/2014-एनटी]

वीरेश गोयल, उप बेतार सलाहकार

उपाबंध

उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन

भाग-क-आवेदक

1. उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन करने वाले विनिर्माता अभिकरण का नाम :
2. विनिर्माता का डाक पता :
3. उत्पाद का नाम और उत्पाद पहचान (मॉडल सं.) :

आदि)

भाग-ख-पारेषक का वर्णन

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्रीसेट स्विचेबल चैनलों की सं. :
3. वॉयस/डाटा/टीवी चैनलों की सं. :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
4. टीएक्स-आरएक्स चैनल पृथक्करण :
(डुप्लेक्स/ मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
5. समीपवर्ती चैनल पृथक्करण :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
6. आवृत्ति स्थायित्व :
7. कूट/सन्नादी विकिरण :
 - i. कैरियर सप्रेशन :
(कैरियर सप्रेस्ड तंत्र की दशा में)
 - ii. अवांछित साइड बैंड सप्रेशन :
(एसएसबी तंत्र की दशा में)
 - iii. द्वितीय सन्नादी विकिरण :
 - iv. तृतीय सन्नादी विकिरण :
8. अधिकतम आवृत्ति विचलन :
9. उत्सर्जन की रीति :
10. उत्सर्जन की बैंडविड्थ :
11. परीक्षण टोन विचलन :
12. आधार बैंड आवृत्ति :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
13. अपेक्षित मॉड्यूलेशन का प्रकार :
14. पूर्व जोर :
15. विद्युत आउटपुट :
(एंटेना के इनपुट पर)
16. कोई अन्य जानकारी :

भाग-ग-प्रापकों के विवरण

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्राप्ति की रीति :
3. प्राप्ति की कूट प्रतिक्रिया :

4. संवेदनशीलता :
5. आवृत्ति स्थायित्व :
6. (क) प्रभावी ध्वनी तापमान :
(ख) अवसीमा इनपुट स्तर
7. मध्यवर्ती आवृत्ति :
8. जोर मुक्ति :
9. चयनशीलता :
10. कोई अन्य विशिष्टियां :

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

(टिप्पणः प्रत्येक प्रकार के उपस्कर के लिए पृथक आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY

(Wireless Planning and Coordination Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 2015

G.S.R. 696(E).—In exercise of the powers conferred by sections 4 and 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and sections 4 and 10 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Use of Very Low Power Radio Frequency Devices or Equipments for Wireless Microphones (Exemption from Licensing Requirement) Rules, 2015.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.— These rules shall be applicable in the 36 to 38 MHz frequency band.

3. Definition.— In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Authority” means the authority notified by the Central Government under sub-section (2) of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);

(b) “Effective Radiated Power” includes the gain of the antenna, if any;

(c) words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) shall have the same meaning respectively assigned to them in those Acts.

4. Exemption.—No licence shall be required by any person to establish, maintain, work, possess or deal in any wireless equipment for the purpose of usage of very low power Radio Frequency devices or equipments for wireless microphones in the 36 to 38 MHz frequency band on non-interference, non-protection and shared (non exclusive) basis, with the maximum Effective Radiated Power Limits as specified in the Table below, namely:—

TABLE
Technical characteristics

Frequency band	Maximum Effective Radiated Power Limits
(1)	(2)
36 to 38 MHz	50 mW; maximum audio channel bandwidth of 200 kHz

Provided that wherever specific service license is required from the Central Government, the provisions of these rules shall not apply.

Provided further that wherever the use of this band for airborne devices or applications is required, the provisions of these rules shall not apply.

5. Conditions.—The exemptions granted under rule 4 shall be subject to the following conditions, namely:—

- (a) the effect of unwanted energy due to one or a combination of emissions, radiations or induction upon reception in a radio communication system, manifested by any performance degradation, misinterpretation, or loss of information which could be extracted in the absence of such unwanted energy, where any person whom a license has been issued under the provisions of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and section 4 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) informs the authority that his licensed system is getting harmful interference from any other radio communication system exempted under these rules, then such authority shall call upon the user of such unlicensed wireless equipment to take necessary steps to avoid interference by relocating the equipment, reducing the power and using special type of antennae; failing which such authority shall recommend discontinuation of such wireless use:

Provided that, before such discontinuation, a reasonable opportunity to explain the circumstances shall be given to such unlicensed user of wireless equipment by such authority.

- (b) these very low power Radio Frequency devices or equipments for wireless microphones shall be of Equipment type approved and designed and constructed in such a manner so that the technical parameters shall conform to the limits specified in the Table referred to in rule 4:

Provided that the application for obtaining equipment type approval shall be made to the Central Government in the application format given in Annexure to these rules.

[No. R-11014/17/2014-NT]

VIRESH GOEL, Dy. Wireless Adviser

Annexure

APPLICATION FOR EQUIPMENT TYPE APPROVAL

Section-A- Applicant

1. Name of manufacturing agency applying :
for equipment type approval
2. Postal Address of manufacturing Agency :
3. Name of Product and the product :
Identification (model number etc.)

Section- B- Details of Transmitter

1. Frequency range :
2. No. of preset switchable channels :
3. No. of voice /Data/ TV Channels :
(In case of multi- channel equipment)
4. Tx-Rx channel separation :
(In case of Duplex/multi-channel equipment)
5. Adjacent channel separation :
(In case of multi-channel equipment)
6. Frequency stability :

7. Spurious/ Harmonic radiations :
- (i) Carrier suppression :
- (In case of carrier suppressed systems)
- (ii) Unwanted side band suppression :
- (In case of SSB systems)
- (iii) 2nd Harmonic radiations :
- (iv) 3rd Harmonic radiations :
8. Max. Frequency Deviation :
9. Mode of Emission :
10. Bandwidth of Emission :
11. Test Tone Deviation :
12. Base band frequency :
- (In case of multi channel equipment)
13. Type of modulation to be required :
14. Pre-emphasis :
15. Power output :
- (At the input of antenna)
16. Any other information :

Section-C- Details of Receivers

1. Frequency range :
2. Mode of reception :
3. Spurious response of receiver :
4. Sensitivity :
5. Frequency stability :
6. (a) Effective noise temperature :
- (b) Threshold input level :
7. Intermediate frequency :
8. De-emphasis :
9. Selectivity :
10. Any other particulars :

Signature of the applicant

Place :

Date :

(Note : Separate application should be submitted for each type of equipment.)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 सितंबर, 2015

सा.का.नि. 697(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और धारा 7 तथा भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 और धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रेरणिक उपयोजनों के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियों या उपस्करों का उपयोग (अनुज्ञप्ति की अपेक्षा से छूट) नियम, 2015 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.—ये नियम 302 से 351 किलोहर्टज आवृत्ति बैंड में लागू होंगे।

3. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों, -

(क) “प्राधिकारी” से भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(ख) “प्रभावी विकिरण शक्ति” के अंतर्गत एंटीना का गेन, यदि कोई हो, है;

(ग) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किंतु भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) और भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके आनुक्रमिक रूप से उन अधिनियमों में दिए गए हैं।

4. छूट.—नीचे सारणी में यथाविनिर्दिष्ट अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति के साथ, अहस्तक्षेप, असंरक्षित और साझा (गैर विशेष) आधार पर, 302 से 351 किलोहर्टज के आवृत्ति बैंड में प्रेरणिक उपयोजनों के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति की युक्तियों या उपस्करों के उपयोग के प्रयोजन के लिए किसी बेतार उपस्कर को स्थापित करने, अनुरक्षित करने, कार्य करने, रखने या किसी बेतार उपस्करों से व्यवहार करने के लिए किसी व्यक्ति को अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं होगी, अर्थात् :—

सारणी**तकनीकी लक्षण**

आवृत्ति बैंड	अधिकतम क्षेत्र तीव्रता सीमाएं
(1)	(2)
302 से 351 किलोहर्टज	-15 डिसबिल माइक्रो एम्पियर प्रति मीटर (एच-क्षेत्र तीव्रता) 10 मीटरों पर

परंतु यह कि जब कभी केन्द्रीय सरकार से विशिष्ट सेवा अनुज्ञप्ति आवश्यक हो तो इस नियम के उपबंध लागू नहीं होंगे।

परंतु यह और कि जहां विमानवाहित युक्तियों या अनुप्रयोगों के लिए इस बैंड का उपयोग अपेक्षित है, वहां ये नियम लागू नहीं होंगे।

5. शर्तें.—इस नियम के अधीन अनुदत्त छूटें निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगी, अर्थात् :—

(क) अवांछित ऊर्जा के किसी प्रभाव या उत्सर्जन के किसी संयोजन, किसी रेडियो संचार प्रणाली में किसी उत्सर्जन विकरण या अभिग्रहण पर उत्प्रेरण के सहयोजन, किसी आकर्षण, अपनिर्वचन या सूचनाओं की हानि से प्रकट ऐसी अवांछित ऊर्जा की अनुपस्थिति में उद्धरण किया जा सकेगा, जहां कोई व्यक्ति, जिसे भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और भारतीय बेतार तार यांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति जारी की गई है, प्राधिकारी को यह सूचित करता है कि उसकी अनुज्ञप्ति प्राप्त प्रणाली को इन नियमों के अधीन छूट प्राप्त किसी अन्य रेडियो संचार प्रणाली से हानिकर व्यतिक्रम प्राप्त हो रहा है, तो ऐसा प्राधिकारी उपस्कर का स्थान परिवर्तन करके, उसकी शक्ति को

कम करके, विशेष प्रकार के एंटेना के उपयोग द्वारा व्यतिक्रम से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त बेतार उपस्कर के उपयोक्ता को अवसर देगा, जिसमें असफल रहने पर ऐसे प्राधिकारी ऐसे बेतार के उपयोग को रोकने की सिफारिश करेंगे :

परंतु यह कि ऐसे रोके जाने से पूर्व, ऐसे प्राधिकारी द्वारा बेतार उपस्कर के ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त उपयोक्ता को परिस्थितियों को स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा ।

(ख) प्रेरणिक उपयोजन के लिए ये अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियां या उपस्कर, उपस्कर के किस्म के रूप में ऐसी रीति से अनुमोदित और अभिकल्पित तथा संनिर्मित होंगे जो तकनीकी प्राचल नियम 4 में निर्दिष्ट सारणी में विनिर्दिष्ट सीमाओं के अनुरूप हों :

परंतु यह कि उपस्कर के किस्म का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय सरकार को इन नियमों के उपाबंध में दिए गए आवेदन के प्ररूप में आवेदन किया जाएगा ।

[सं. आर – 11014/17/2014-एनटी]

वीरेश गोयल, उप बेतार सलाहकार

उपाबंध

उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन

भाग-क-आवेदक

1. उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन करने वाले विनिर्माता अभिकरण का नाम :
2. विनिर्माता का डाक पता :
3. उत्पाद का नाम और उत्पाद पहचान (मॉडल सं. आदि) :

भाग-ख-पारेषक का वर्णन

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्रीसेट स्विचेबल चैनलों की सं. :
3. वॉयस/डाटा/टीवी चैनलों की सं. :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
4. टीएक्स-आरएक्स चैनल पृथक्करण :
(डुप्लैक्स/ मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
5. समीपवर्ती चैनल पृथक्करण :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
6. आवृत्ति स्थायित्व :
7. कूट/सन्नादी विकरण :
 - i. कैरियर सप्रेशन :
(कैरियर सप्रेस्ड तंत्र की दशा में)
 - ii. आवांछित साइड बैंड सप्रेशन :
(एसएसबी तंत्र की दशा में)
 - iii. द्वितीय सन्नादी विकरण :
 - iv. तृतीय सन्नादी विकरण :

8. अधिकतम आवृत्ति विचलन :
9. उत्सर्जन की रीति :
10. उत्सर्जन की बैंडविड्थ :
11. परीक्षण टोन विचलन :
12. आधार बैंड आवृत्ति :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
13. अपेक्षित मॉड्यूलेशन का प्रकार :
14. पूर्व जोर :
15. विद्युत आउटपुट :
(एंटेना के इनपुट पर)
16. कोई अन्य जानकारी :

भाग-ग-प्राप्तियों के विवरण

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्राप्ति की रीति :
3. प्राप्ति की कूट प्रतिक्रिया :
4. संवेदनशीलता :
5. आवृत्ति स्थायित्व :
6. (क) प्रभावी ध्वनी तापमान :
(ख) अवसीमा इनपुट स्तर
7. मध्यवर्ती आवृत्ति :
8. जोर मुक्ति :
9. चयनशीलता :
10. कोई अन्य विशिष्टियां :

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

(टिप्पण : प्रत्येक प्रकार के उपस्कर के लिए पृथक आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 2015

G.S.R. 697(E).—In exercise of the powers conferred by Sections 4 and 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and Sections 4 and 10 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Use of Very Low Power Radio Frequency Devices or Equipments for Inductive Applications (Exemption from Licensing Requirement) Rules, 2015.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall be applicable in the 302 to 351 kHz frequency band.

3. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) “Authority” means the authority notified by the Central Government under sub-section (2) of Section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);

- (b) words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) shall have the same meaning respectively assigned to them in those Acts.

4. **Exemption.**—No licence shall be required by any person to establish, maintain, work, possess or deal in any wireless equipment for the purpose of usage of very low power Radio Frequency devices or equipments for inductive applications in the 302 to 351 kHz frequency band on non-interference, non-protection and shared (non exclusive) basis, with the maximum Field Strength Limits as specified in the Table below, namely:—

TABLE
Technical Characteristics

Frequency band	Maximum Field Strength Limits
(1)	(2)
302 to 351 kHz	-15 dBµA/m (H-Field strength) at 10 meters

Provided that wherever specific service license is required from the Central Government, the provisions of these rules shall not apply.

Provided further that wherever the use of this band for airborne devices or applications is required, the provisions of these rules shall not apply.

5. **Conditions.**—The exemptions granted under rule 4 shall be subject to the following conditions, namely:—

(a) the effect of unwanted energy due to one or a combination of emissions, radiations or induction upon reception in a radio communication system, manifested by any performance degradation, misinterpretation, or loss of information which could be extracted in the absence of such unwanted energy, where any person whom a license has been issued under the provisions of Section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and Section 4 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) informs the authority that his licensed system is getting harmful interference from any other radio communication system exempted under these rules, then such authority shall call upon the user of such unlicensed wireless equipment to take necessary steps to avoid interference by relocating the equipment, reducing the power and using special type of antennae; failing which such authority shall recommend discontinuation of such wireless use:

Provided that, before such discontinuation, a reasonable opportunity to explain the circumstances shall be given to such unlicensed user of wireless equipment by such authority.

(b) these very low power Radio Frequency devices or equipments for inductive applications shall be of Equipment type approved and designed and constructed in such a manner so that the technical parameters shall conform to the limits specified in the Table referred to in rule 4:

Provided that the application for obtaining equipment type approval shall be made to the Central Government in the application format given in Annexure to these rules.

[No. R-11014/17/2014-NT]

VIRESH GOEL, Dy. Wireless Adviser

Annexure

APPLICATION FOR EQUIPMENT TYPE APPROVAL

Section-A- Applicant

1. Name of manufacturing agency applying :
for equipment type approval
2. Postal Address of manufacturing Agency :
3. Name of Product and the product :
Identification (model number etc.)

Section- B- Details of Transmitter

1. Frequency range :
2. No. of preset switchable channels :
3. No. of voice /Data/ TV Channels :
(In case of multi- channel equipment)
4. Tx-Rx channel separation :
(In case of Duplex/multi-channel equipment)
5. Adjacent channel separation :
(In case of multi-channel equipment)
6. Frequency stability :
7. Spurious/ Harmonic radiations :
(i) Carrier suppression :
(In case of carrier suppressed systems)
(ii) Unwanted side band suppression :
(In case of SSB systems)
(iii) 2nd Harmonic radiations :
(iv) 3rd Harmonic radiations :
8. Max. Frequency Deviation :
9. Mode of Emission :
10. Bandwidth of Emission :
11. Test Tone Deviation :
12. Base band frequency :
(In case of multi channel equipment)
13. Type of modulation to be required :
14. Pre-emphasis :
15. Power output :
(At the input of antenna)
16. Any other information :

Section-C- Details of Receivers

1. Frequency range :
2. Mode of reception :
3. Spurious response of receiver :
4. Sensitivity :
5. Frequency stability :
6. (a) Effective noise temperature :
(b) Threshold input level :
7. Intermediate frequency :
8. De-emphasis :
9. Selectivity :

10. Any other particulars

:

Signature of the applicant

Place :

Date :

(Note : Separate application should be submitted for each type of equipment.)

अधिसूचना

नई दिल्ली 16 सितंबर, 2015

सा.का.नि. 698(अ),—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और धारा 7 तथा भारतीय बेतार तारयांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 और धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियां या उपस्कर जिसके अंतर्गत रेडियो आवृत्ति पहचान युक्तियां भी हैं, के उपयोग (अनुज्ञप्ति की अपेक्षा से छूट) नियम, 2015 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.—ये नियम 433 से 434.79 मेगाहर्टज आवृत्ति बैंड में लागू होंगे।

3. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों, -

(क) "प्राधिकारी" से भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उप-धारा (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(ख) "प्रभावी विकिरण शक्ति" के अंतर्गत एंटीना का गेन, यदि कोई हो, है;

(ग) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किंतु भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) और भारतीय बेतार तारयांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके आनुक्रमिक रूप से उन अधिनियमों में दिए गए हैं।

4. छूट.—नीचे सारणी में यथाविनिर्दिष्ट अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति के साथ, अहस्तक्षेप, असंरक्षित और साझा (गैर विशेष) आधार पर, 433 से 434.79 मेगाहर्टज के आवृत्ति बैंड में लघु रेंज रडार प्रणाली के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति की युक्तियों या उपस्करों जिनके अंतर्गत रेडियो आवृत्ति पहचान युक्तियां हैं के उपयोग के प्रयोजन के लिए किसी बेतार उपस्कर को स्थापित करने, अनुरक्षित करने, कार्य करने, रखने या किसी बेतार उपस्करों से व्यवहार करने के लिए किसी व्यक्ति को अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं होगी, अर्थात् :—

सारणी

तकनीकी लक्षण

आवृत्ति बैंड	अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति सीमाएं
(1)	(2)
433 से 434.79 मेगाहर्टज	10 मिलीवाट (ईआरपी) 10 किलोहर्टज की अधिकतम चैनल बैंडविड्थ सहित (ड्यूटी साइकिल सीमा 10%)

परंतु यह कि जब कभी केन्द्रीय सरकार से विशिष्ट सेवा अनुज्ञप्ति आवश्यक हो तो इस नियम के उपबंध लागू नहीं होंगे।

परंतु यह और कि जहां विमानवाहित युक्तियों या अनुप्रयोगों के लिए इस बैंड का उपयोग अपेक्षित है, वहां ये नियम लागू नहीं होंगे।

5. शर्तें.—इस नियम के अधीन अनुदत्त छूटें निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगी, अर्थात् :--

(क) अवांछित ऊर्जा के किसी प्रभाव या उत्सर्जन के किसी संयोजन, किसी रेडियो संचार प्रणाली में किसी उत्सर्जन विकरण या अभिग्रहण पर उप्रेरण के सहयोजन, किसी आकर्षण, अपनिर्वचन या सूचनाओं की हानि से प्रकट ऐसी अवांछित ऊर्जा की अनुपस्थिति में उद्धरण किया जा सकेगा, जहां कोई व्यक्ति, जिसे भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और भारतीय बेतार तार यंत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति जारी की गई है, प्राधिकारी को यह सूचित करता है कि उसकी अनुज्ञप्ति प्राप्त प्रणाली को इन नियमों के अधीन छूट प्राप्त किसी अन्य रेडियों संचार प्रणाली से हानिकर व्यतिक्रम प्राप्त हो रहा है, तो ऐसा प्राधिकारी उपस्कर का स्थान परिवर्तन करके, उसकी शक्ति को कम करके, विशेष प्रकार के एंटेना के उपयोग द्वारा व्यतिक्रम से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त बेतार उपस्कर के उपयोक्ता को अवसर देगा, जिसमें असफल रहने पर ऐसे प्राधिकारी ऐसे बेतार के उपयोग को रोकने की सिफारिश करेंगे :

परंतु यह कि ऐसे रोके जाने से पूर्व, ऐसे प्राधिकारी द्वारा बेतार उपस्कर के ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त उपयोक्ता को परिस्थितियों को स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा ।

(ख) ये अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियां या उपस्कर, जिसके अंतर्गत रेडियो आवृत्ति पहचान युक्तियां हैं, उपस्कर के किस्म के रूप में ऐसी रीति से अनुमोदित और अभिकल्पित तथा संनिर्मित होंगे जो तकनीकी प्राचल नियम 4 में निर्दिष्ट सारणी में विनिर्दिष्ट सीमाओं के अनुरूप हों :

परंतु यह कि उपस्कर के किस्म का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय सरकार को इन नियमों के उपाबंध में दिए गए आवेदन के प्ररूप में आवेदन किया जाएगा ।

[सं. आर – 11014/17/2014-एनटी]

वीरेश गोयल, उप बेतार सलाहकार

उपाबंध

उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन

भाग-क-आवेदक

1. उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन करने वाले विनिर्माता अभिकरण का नाम :
2. विनिर्माता का डाक पता :
3. उत्पाद का नाम और उत्पाद पहचान (मॉडल सं. आदि) :

भाग-ख-पारेषक का वर्णन

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्रीसेट स्विचेबल चैनलों की सं. :
3. वाँयस/डाटा/टीवी चैनलों की सं. (मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में) :
4. टीएक्स-आरएक्स चैनल पृथक्करण (डुप्लैक्स/ मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में) :
5. समीपवर्ती चैनल पृथक्करण (मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में) :
6. आवृत्ति स्थायित्व :

7. कूट/सन्नादी विकरण
 - i. कैरियर सप्रेशन :
(कैरियर सप्रेस्ड तंत्र की दशा में)
 - ii. आवांछित साइड बैंड सप्रेशन :
(एसएसबी तंत्र की दशा में)
 - iii. द्वितीय सन्नादी विकरण :
 - iv. तृतीय सन्नादी विकरण :
8. अधिकतम आवृत्ति विचलन :
9. उत्सर्जन की रीति :
10. उत्सर्जन की बैंडविड्थ :
11. परीक्षण टोन विचलन :
12. आधार बैंड आवृत्ति :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
13. अपेक्षित मॉड्यूलेशन का प्रकार :
14. पूर्व जोर :
15. विद्युत आउटपुट :
(एंटेना के इनपुट पर)
16. कोई अन्य जानकारी :

भाग-ग-प्रापकों के विवरण

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्राप्ति की रीति :
3. प्राप्ति की कूट प्रतिक्रिया :
4. संवेदनशीलता :
5. आवृत्ति स्थायित्व :
6. (क) प्रभावी ध्वनी तापमान :
(ख) अवसीमा इनपुट स्तर
7. मध्यवर्ती आवृत्ति :
8. जोर मुक्ति :
9. चयनशीलता :
10. कोई अन्य विशिष्टियां :

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

(टिप्पण: प्रत्येक प्रकार के उपस्कर के लिए पृथक आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 2015

G.S.R. 698(E).—In exercise of the powers conferred by Sections 4 and 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and sections 4 and 10 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the use of Very Low Power Radio Frequency Devices or Equipments including the Radio Frequency Identification Devices (Exemption from Licensing Requirement) Rules, 2015.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall be applicable in the 433 to 434.79 MHz frequency band.

3. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,-

(c) “Authority” means the authority notified by the Central Government under sub-section (2) of Section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);

(d) “Effective Radiated Power” includes the gain of the antenna, if any;

(e) words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) shall have the same meaning respectively assigned to them in those Acts.

4. Exemption.- No licence shall be required by any person to establish, maintain, work, possess or deal in any wireless equipment for the purpose of usage of very low power Radio Frequency devices or equipments including the Radio Frequency Identification Devices in the 433 to 434.79 MHz frequency band on non-interference, non-protection and shared (non exclusive) basis, with the maximum Effective Radiated Power Limits as specified in the Table below, namely:—

TABLE

Technical characteristics

Frequency band	Maximum Effective Radiated Power Limits
(1)	(2)
433 to 434.79 MHz	10 mW (e.r.p) with maximum channel bandwidth of 10kHz (Duty cycle limit 10%)

Provided that wherever specific service license is required from the Central Government, the provisions of these rules shall not apply.

Provided further that wherever the use of this band for airborne devices or applications is required, the provisions of these rules shall not apply.

5. Conditions.—The exemptions granted under rule 4 shall be subject to the following conditions, namely:—

(a) the effect of unwanted energy due to one or a combination of emissions, radiations or induction upon reception in a radio communication system, manifested by any performance degradation, misinterpretation, or loss of information which could be extracted in the absence of such unwanted energy, where any person whom a license has been issued under the provisions of Section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and Section 4 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) informs the authority that his licensed system is getting harmful interference from any other radio communication system exempted under these rules, then such authority shall call upon the user of such unlicensed wireless equipment to take necessary steps to avoid interference by relocating the equipment, reducing the power and using special type of antennae; failing which such authority shall recommend discontinuation of such wireless use:

Provided that, before such discontinuation, a reasonable opportunity to explain the circumstances shall be given to such unlicensed user of wireless equipment by such authority.

(b) these very low power Radio Frequency devices or equipments including the Radio Frequency Identification Devices shall be of Equipment type approved and designed and constructed in such a manner so that the technical parameters shall conform to the limits specified in the Table referred to in rule 4:

Provided that the application for obtaining equipment type approval shall be made to the Central Government in the application format given in Annexure to these rules.

[No. R-11014/17/2014-NT]

VIRESH GOEL, Dy. Wireless Adviser

Annexure**APPLICATION FOR EQUIPMENT TYPE APPROVAL****Section-A- Applicant**

1. Name of manufacturing agency applying :
for equipment type approval
2. Postal Address of manufacturing Agency :
3. Name of Product and the product :
Identification (model number etc.)

Section- B- Details of Transmitter

1. Frequency range :
2. No. of preset switchable channels :
3. No. of voice /Data/ TV Channels :
(In case of multi-channel equipment)
4. Tx-Rx channel separation :
(In case of Duplex/multi-channel equipment)
5. Adjacent channel separation :
(In case of multi-channel equipment)
6. Frequency stability :
7. Spurious/Harmonic radiations :
 - (i) Carrier suppression :
(In case of carrier suppressed systems)
 - (ii) Unwanted side band suppression :
(In case of SSB systems)
 - (iii) 2nd Harmonic radiations :
 - (iv) 3rd Harmonic radiations :
8. Max. Frequency Deviation :
9. Mode of Emission :
10. Bandwidth of Emission :
11. Test Tone Deviation :
12. Base band frequency :
(In case of multi channel equipment)
13. Type of modulation to be required :
14. Pre-emphasis :
15. Power output :
(At the input of antenna)
16. Any other information :

Section-C- Details of Receivers

1. Frequency range :
2. Mode of reception :
3. Spurious response of receiver :
4. Sensitivity :

5. Frequency stability :
6. (a) Effective noise temperature :
- (b) Threshold input level :
7. Intermediate frequency :
8. De-emphasis :
9. Selectivity :
10. Any other particulars :

Signature of the applicant

Place :

Date :

(Note : Separate application should be submitted for each type of equipment.)

अधिसूचना

नई दिल्ली 16 सितम्बर, 2015

सा.का.नि. 699(अ).—केन्द्रीय सरकार, भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और धारा 7 तथा भारतीय बेतार तारयांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 और धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लघु रेंज रडार प्रणाली के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियों या उपस्करों का उपयोग (अनुज्ञप्ति की अपेक्षा से छूट) नियम, 2015 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना.—ये नियम 76 से 77 गीगाहर्ट्ज आवृत्ति बैंड में लागू होंगे।

3. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों, -

(क) "प्राधिकारी" से भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 की उपधारा (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(ख) "प्रभावी विकिरण शक्ति" के अंतर्गत एंटीना का गेन, यदि कोई हो, है;

(ग) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किंतु भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) और भारतीय बेतार तारयांत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके आनुक्रमिक रूप से उन अधिनियमों में दिए गए हैं।

4. छूट.—नीचे सारणी में यथाविनिर्दिष्ट अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति के साथ, अहस्तक्षेप, असंरक्षित और साझा (गैर विशेष) आधार पर, 76 से 77 गीगाहर्ट्ज के आवृत्ति बैंड में लघु रेंज रडार प्रणाली के लिए अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति की युक्तियों या उपस्करों के उपयोग के प्रयोजन के लिए किसी बेतार उपस्कर को स्थापित करने, अनुरक्षित करने, कार्य करने, रखने या किसी बेतार उपस्करों से व्यवहार करने के लिए किसी व्यक्ति को अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं होगी, अर्थात् :—

सारणी

तकनीकी लक्षण

आवृत्ति बैंड	अधिकतम प्रभावी विकिरण शक्ति सीमाएं
(1)	(2)
76 से 77 गीगाहर्ट्ज	5 वाट (37 डीबीएम)

परंतु यह कि जब कभी केन्द्रीय सरकार से विशिष्ट सेवा अनुज्ञप्ति आवश्यक हो तो इस नियम के उपबंध लागू नहीं होंगे।

परंतु यह और कि जहां विमानवाहित युक्तिओं या अनुप्रयोगों के लिए इस बैंड का उपयोग अपेक्षित है, वहां ये नियम लागू नहीं होंगे।

5. शर्तें - इस नियम के अधीन अनुदत्त छूटें निम्नलिखित शर्तों के अधीन होंगी, अर्थात् :--

(क) अवांछित ऊर्जा के किसी प्रभाव या उत्सर्जन के किसी संयोजन, किसी रेडियो संचार प्रणाली में किसी उत्सर्जन विकरण या अभिग्रहण पर उप्रेरण के सहयोजन, किसी आकर्षण, अपनिर्वचन या सूचनाओं की हानि से प्रकट ऐसी अवांछित ऊर्जा की अनुपस्थिति में उद्धरण किया जा सकेगा, जहां कोई व्यक्ति, जिसे भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 और भारतीय बेतार तार यंत्रिकी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) की धारा 4 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति जारी की गई है, प्राधिकारी को यह सूचित करता है कि उसकी अनुज्ञप्ति प्राप्त प्रणाली को इन नियमों के अधीन छूट प्राप्त किसी अन्य रेडियों संचार प्रणाली से हानिकर व्यतिक्रम प्राप्त हो रहा है, तो ऐसा प्राधिकारी उपस्कर का स्थान परिवर्तन करके, उसकी शक्ति को कम करके, विशेष प्रकार के एंटेना के उपयोग द्वारा व्यतिक्रम से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त बेतार उपस्कर के उपयोक्ता को अवसर देगा, जिसमें असफल रहने पर ऐसे प्राधिकारी ऐसे बेतार के उपयोग को रोकने की सिफारिश करेंगे :

परंतु यह कि ऐसे रोके जाने से पूर्व, ऐसे प्राधिकारी द्वारा बेतार उपस्कर के ऐसे गैर-अनुज्ञप्ति प्राप्त उपयोक्ता को परिस्थितियों को स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा।

(ख) लघु रेंज रडार प्रणाली के लिए ये अति निम्न शक्ति रेडियो आवृत्ति युक्तियां या उपस्कर, उपस्कर के किस्म के रूप में ऐसी रीति से अनुमोदित और अभिकल्पित तथा संनिर्मित होंगे जो तकनीकी प्राचल नियम 4 में निर्दिष्ट सारणी में विनिर्दिष्ट सीमाओं के अनुरूप हों :

परंतु यह कि उपस्कर के किस्म का अनुमोदन प्राप्त करने के लिए केन्द्रीय सरकार को इन नियमों के उपाबंध में दिए गए आवेदन के प्ररूप में आवेदन किया जाएगा।

[सं. आर - 11014/17/2014-एनटी]

वीरेश गोयल, उप बेतार सलाहकार

उपाबंध

उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन

भाग-क-आवेदक

1. उपस्कर प्रकार अनुमोदन के लिए आवेदन करने :
वाले विनिर्माता अभिकरण का नाम
2. विनिर्माता का डाक पता :
3. उत्पाद का नाम और उत्पाद पहचान (मॉडल सं. :
आदि)

भाग-ख-पारेषक का वर्णन

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्रीसेट स्विचबल चैनलों की सं. :
3. वॉयस/डाटा/टीवी चैनलों की सं. :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
4. टीएक्स-आरएक्स चैनल पृथक्करण :
(डुप्लैक्स/मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)

5. समीपवर्ती चैनल पृथक्करण :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
6. आवृत्ति स्थायित्व :
7. कूट/सन्नादी विकरण :
 - i. कैरियर सप्रेशन :
(कैरियर सप्रेस्ड तंत्र की दशा में)
 - ii. आवांछित साइड बैंड सप्रेशन :
(एसएसबी तंत्र की दशा में)
 - iii. द्वितीय सन्नादी विकरण :
 - iv. तृतीय सन्नादी विकरण :
8. अधिकतम आवृत्ति विचलन :
9. उत्सर्जन की रीति :
10. उत्सर्जन की बैंडविड्थ :
11. परीक्षण टोन विचलन :
12. आधार बैंड आवृत्ति :
(मल्टीचैनल उपस्कर की दशा में)
13. अपेक्षित मॉड्यूलेशन का प्रकार :
14. पूर्व जोर :
15. विद्युत आउटपुट :
(एंटेना के इनपुट पर)
16. कोई अन्य जानकारी :

भाग-ग-प्रापकों के विवरण

1. आवृत्ति रेंज :
2. प्राप्ति की रीति :
3. प्राप्ति की कूट प्रतिक्रिया :
4. संवेदनशीलता :
5. आवृत्ति स्थायित्व :
6. (क) प्रभावी ध्वनी तापमान :
(ख) अवसीमा इनपुट स्तर :
7. मध्यवर्ती आवृत्ति :
8. जोर मुक्ति :
9. चयनशीलता :
10. कोई अन्य विशिष्टियां :

आवेदक के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

(टिप्पण: प्रत्येक प्रकार के उपस्कर के लिए पृथक् आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 2015

G.S.R. 699(E).—In exercise of the powers conferred by sections 4 and 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885) and sections 4 and 10 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Use of Very Low Power Radio Frequency Devices or Equipments for Short Range Radar Systems (Exemption from Licensing Requirement) Rules, 2015.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall be applicable in the 76 to 77 GHz frequency band.

3. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) “Authority” means the authority notified by the Central Government under sub-section (2) of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885);

(b) “Effective Radiated Power” includes the gain of the antenna, if any;

(c) words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) shall have the same meaning respectively assigned to them in those Acts;

4. Exemption.—No licence shall be required by any person to establish, maintain, work, possess or deal in any wireless equipment for the purpose of usage of very low power Radio Frequency devices or equipments for short range radar systems in the 76 to 77 GHz frequency band on non-interference, non-protection and shared (non exclusive) basis, with the maximum Effective Radiated Power Limits as specified in the Table below, namely:—

TABLE
Technical characteristics

Frequency band	Maximum Effective Radiated Power Limits
(1)	(2)
76 to 77 GHz	5 W (37 dBm)

Provided that wherever specific service license is required from the Central Government, the provisions of these rules shall not apply.

Provided further that wherever the use of this band for airborne devices or applications is required, the provisions of these rules shall not apply.

5. Conditions.—The exemptions granted under rule 4 shall be subject to the following conditions, namely:—

(a) the effect of unwanted energy due to one or a combination of emissions, radiations or induction upon reception in a radio communication system, manifested by any performance degradation, misinterpretation, or loss of information which could be extracted in the absence of such unwanted energy, where any person whom a license has been issued under the provisions of section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885); and section 4 of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933) informs the authority that his licensed system is getting harmful interference from any other radio communication system exempted under these rules, then such authority shall call upon the user of such unlicensed wireless equipment to take necessary steps to avoid interference by relocating the equipment, reducing the power and using special type of antennae; failing which such authority shall recommend discontinuation of such wireless use;

Provided that, before such discontinuation, a reasonable opportunity to explain the circumstances shall be given to such unlicensed user of wireless equipment by such authority.

(b) these very low power Radio Frequency devices or equipments for short range radar systems shall be of Equipment type approved and designed and constructed in such a manner so that the technical parameters shall conform to the limits specified in the Table referred to in rule 4:

Provided that the application for obtaining equipment type approval shall be made to the Central Government in the application format given in Annexure to these rules.

[No. R-11014/17/2014-NT]

VIRESH GOEL, Dy. Wireless Adviser

Annexure

APPLICATION FOR EQUIPMENT TYPE APPROVAL

Section-A- Applicant

1. Name of manufacturing agency applying :
for equipment type approval
2. Postal Address of manufacturing Agency :
3. Name of Product and the Product :
Identification (model number etc.)

Section- B- Details of Transmitter

1. Frequency range :
2. No. of preset switchable channels :
3. No. of voice /Data/ TV Channels :
(In case of multi- channel equipment)
4. Tx-Rx channel separation :
(In case of Duplex/multi-channel equipment)
5. Adjacent channel separation :
(In case of multi-channel equipment)
6. Frequency stability :
7. Spurious/ Harmonic radiations :
(i) Carrier suppression :
(In case of carrier suppressed systems)
(ii) Unwanted side band suppression :
(In case of SSB systems)
(iii) 2nd Harmonic radiations :
(iv) 3rd Harmonic radiations :
8. Max. Frequency Deviation :
9. Mode of Emission :
10. Bandwidth of Emission :
11. Test Tone Deviation :
12. Base band frequency :
(In case of multi channel equipment)
13. Type of modulation to be required :
14. Pre-emphasis :

15. Power output :
(At the input of antenna)
16. Any other information :

Section-C- Details of Receivers

1. Frequency range :
2. Mode of reception :
3. Spurious response of receiver :
4. Sensitivity :
5. Frequency stability :
6. (a) Effective noise temperature :
(b) Threshold input level :
7. Intermediate frequency :
8. De-emphasis :
9. Selectivity :
10. Any other particulars :

Signature of the applicant

Place :

Date :

(Note : Separate application should be submitted for each type of equipment.)